आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से बदलेगी अर्थव्यवस्था

जागरण संवाददाता, रांची : अमेरिकी कांसुलेट जनरल कोलकाता की ओर से गुरुवार को रांची के सूचना भवन स्थित आइआइएम सभागार में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में राष्ट्रीय नेतृत्व की रणनीति तथा सरकार के लिए उपयोग के अवसर विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अमेरिका के आइटीआइएफ के वाइस प्रेसिडेंट डेनियल डेविड कास्त्रो ने बतौर मुख्य वक्ता संगोष्ठी को संबोधित किया। आइआइएम के छात्र-छात्राओं के बीच उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की वर्तमान स्थिति को पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के जरिये प्रस्तुत किया। कहा कि आने वाले दिनों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के कारण अर्थव्यवस्था और समाज के स्वरूप में अहम बदलाव होंगे। उन्होंने कहा कि कई देश मानते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल बदलाव की अगली कड़ी है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में राष्ट्रीय नेतृत्व की चर्चा की। भारत, चीन और अमेरिका के संदर्भ में डेटा अध्ययन, उपभोक्ता एवं व्यापार के संबंध में बताया। कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी केंद्र के उप निदेशक कृष दास मौजूद रहे। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का अर्थ है,एक ऐसी मशीन, जिसमें सोचने-समझने और निर्णय लेने की क्षमता का विकासित हो। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को कंप्यूटर साइंस का सबसे उन्नत रूप माना जाता है। इसमें एक ऐसा दिमाग बनाया जाता है, जिसमें कंप्यूटर सोच सके। कंप्यूटर का ऐसा दिमाग, जो इंसानों की तरह सोच सके। अमेरिकी कांसुलेट जनरल की ओर से साइबर पीस फाउंडेशन के सहयोग में एमिटी यूनिवर्सिटी में गुरुवार की सुबह संगोष्ठी हुई। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में ग्लोबल लीडरशिप के लिए राष्ट्रीय रणनीति तथा डेटा स्ट्रेटज इनोवेशन पर डेटा के प्रभाव पर व्याख्यान हुआ।

संगोष्ठी में डेनियल डेविड कास्त्रो को प्रतीक चिन्ह भेंट करते आइआइएम के पदाधिकारी।

छात्र-छात्राओं ने पूछे प्रश्न

संगोष्ठी के दौरान विषय पर व्याख्यान के बाद आइआइएम के छात्र-छात्राओं ने डेनियल डेविड कास्त्रो से सवाल पूछे। भारत के संदर्भ में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और यूनाइटेड स्टेट की रणनीति पर प्रश्न किये।'कास्त्रो ने बताया कि अमेरिका डिजिटल व्यापार, डिजिटल अर्थव्यवस्था की वृद्धि तथा डेटा सुरक्षा को सुविधाजनक बनाना चाहता है। प्रशिक्षण, उद्यमिता कौशल के विकास, कार्यशाला के जरिये इसे बढ़ावा देना चाहता है।

Dainik Jagaran, 01.11.2019, Pg. 04